# एक मजेदार खेल

पहले माचिस की कुछ सींकों का मसाला खुरच लो। सायकल वाल्व ट्यूब के 1.5 से.मी. लंबे कुछ टुकड़े भी काट लो।

**दो सींकों का जोड़**

एक वाल्व ट्यूब के टुकड़े में दोनों ओर से एक-एक माचिस की सींक घुसाओ। ट्यूब के अंदर सींकों के सिरे एक-दूसरे से सट जाना चाहिए (चित्र-1)।

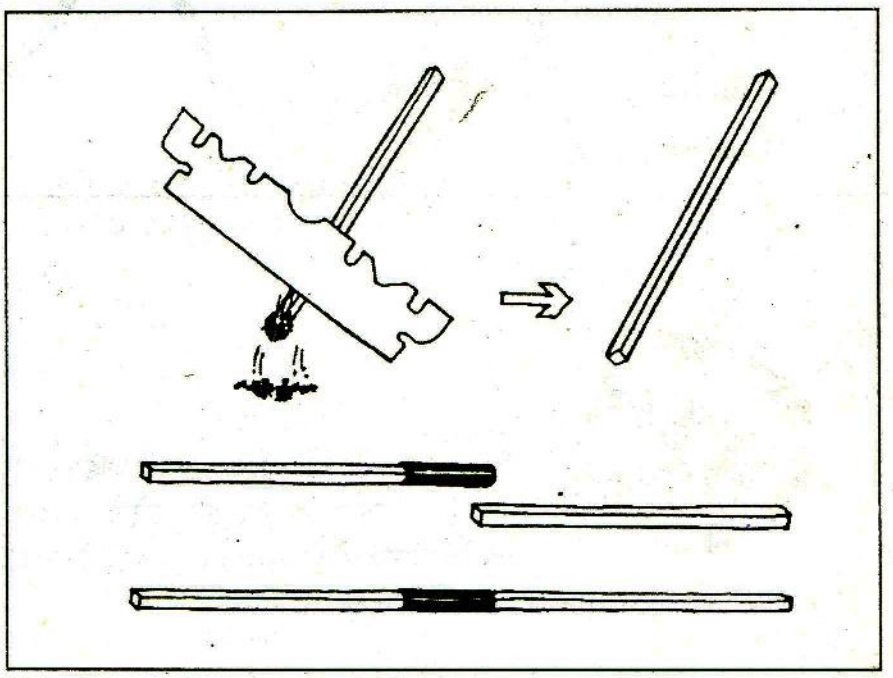

चित्र-1

— ऐसे और जोड़ बनाकर चित्र-2 में दिखाई गई सरल आकृतियाँ बनाओ।

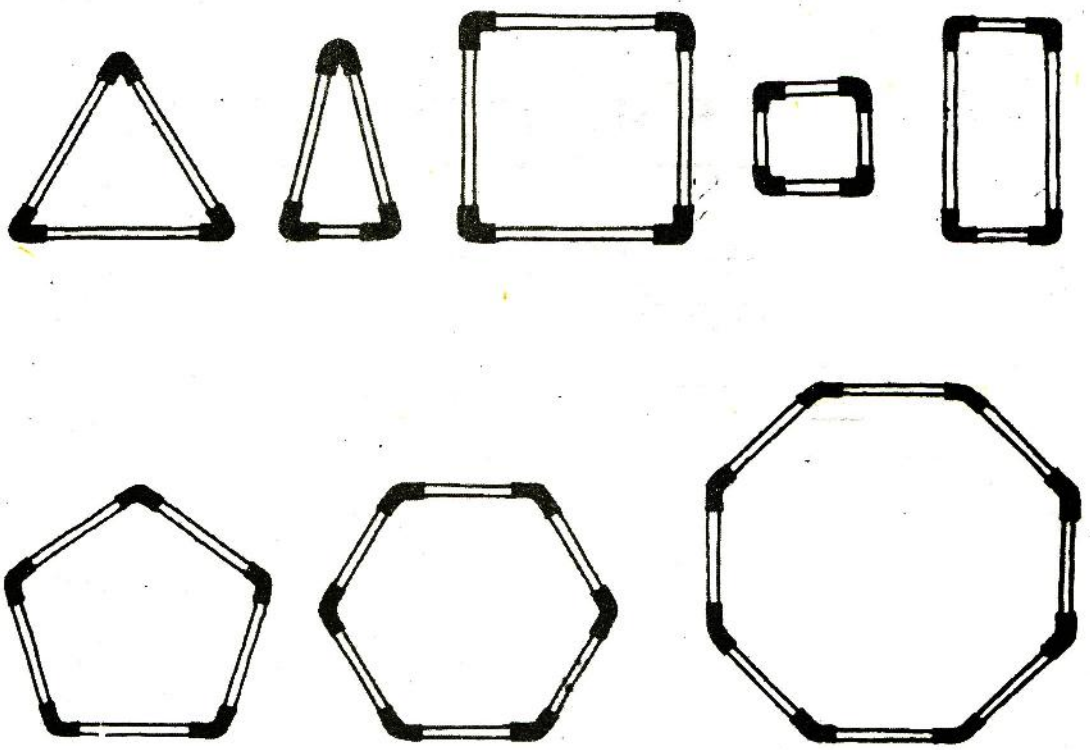

चित्र-2

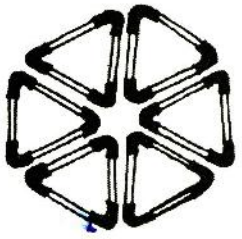

त्रिभुज का आकार बहुत ही मजबूत और अडिग होता है। इसका उपयोग बहुत सारे कामों में होता है — मकान बनाने में, पुल बनाने में, आदि। गाँव के घरों में बांस-बल्ली से बनी छत की कैंची त्रिभुजों में बंटी होती है। तुम चाहो तो इन आकृतियों को दबाकर देखो की कौन सी अडिग है और कौन सी नहीं।

अब इन आकृतियों को अलग-अलग तरह से सजाकर नए-नए नमूने बनाओ (चित्र-3)।

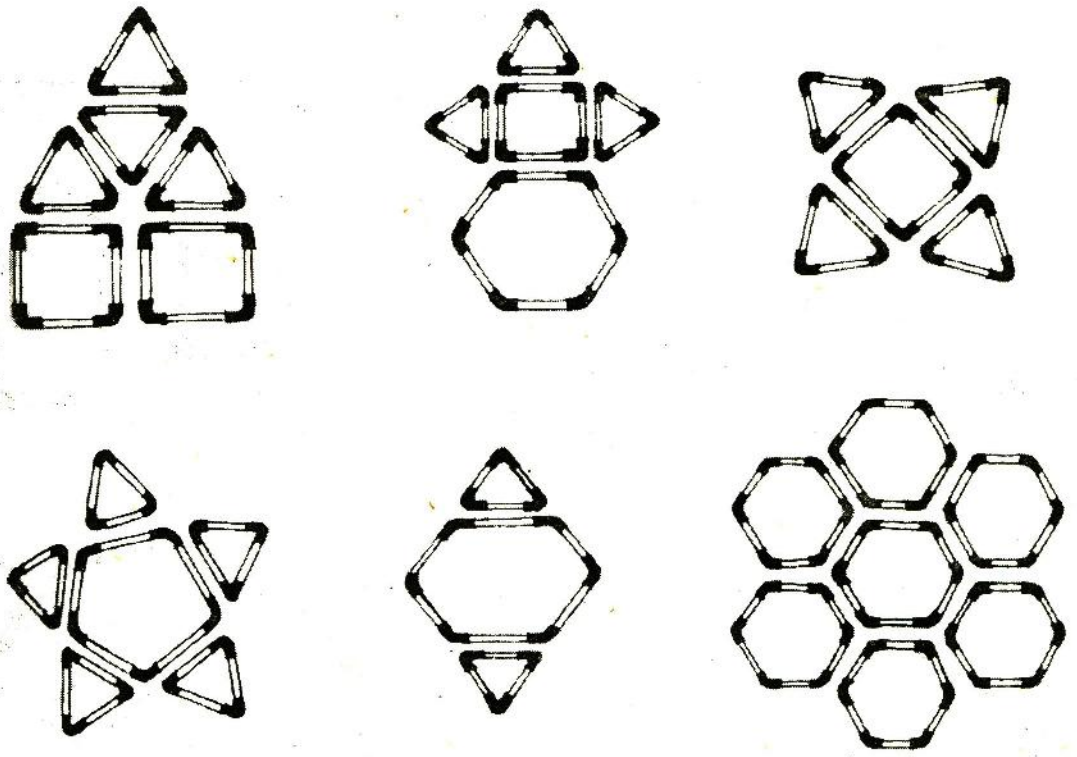

चित्र-3

**तीन सींकों का जोड़**

एक वाल्व ट्यूब और दो सींकों के जोड़ में बबूल के कांटे से छेद करो (चित्र-4)। इस छेद में एक सींक घुसा दो।

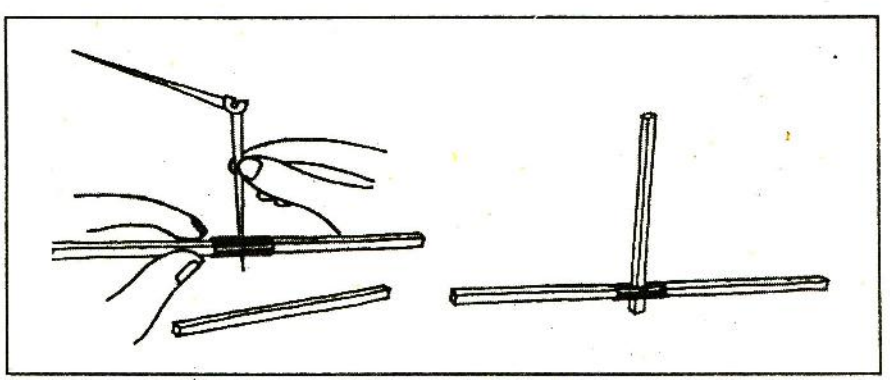

चित्र-4

— तीन का जोड़ तैयार हो गया। अब तुम नीचे दी गई आकृतियाँ बना सकते हो (चित्र-5)।

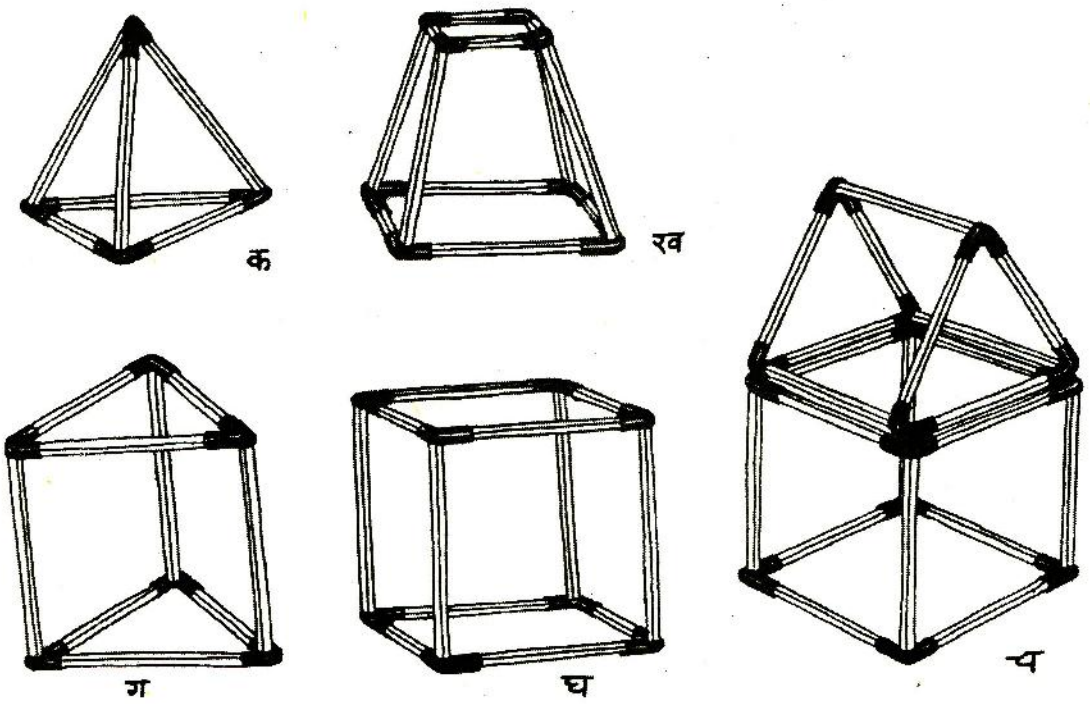


चित्र-5

— चित्र-5क की आकृति को **चतुष्फलक** कहते हैं। यह प्रकृति में पाया जाने वाला सबसे मजबूत ढांचा है। दैनिक जीवन में इसका बहुत जगह उपयोग होता है। अनाज की मंडी में तुमने धान और गेहूँ के बोरे तुलते देखे होंगे। अक्सर तराजू, तीन बांसों की बनी तिपाई से लटकी रहती है। इसकी आकृति चतुष्फलक जैसी होती है।

**चार सींकों का जोड़**

वाल्व ट्यूब के 2 से.मी. लंबे टुकड़े काटो। एक टुकड़े को बबूल के कांटे में पिरो दो। कांटे को दूसरे ट्यूब के टुकड़े के बीच में घुसाओ। दूसरे ट्यूब के दोनों सिरों को पकड़कर खींचो और उसे सरकाकर पहले ट्यूब के ऊपर चढ़ा दो (चित्र-6)

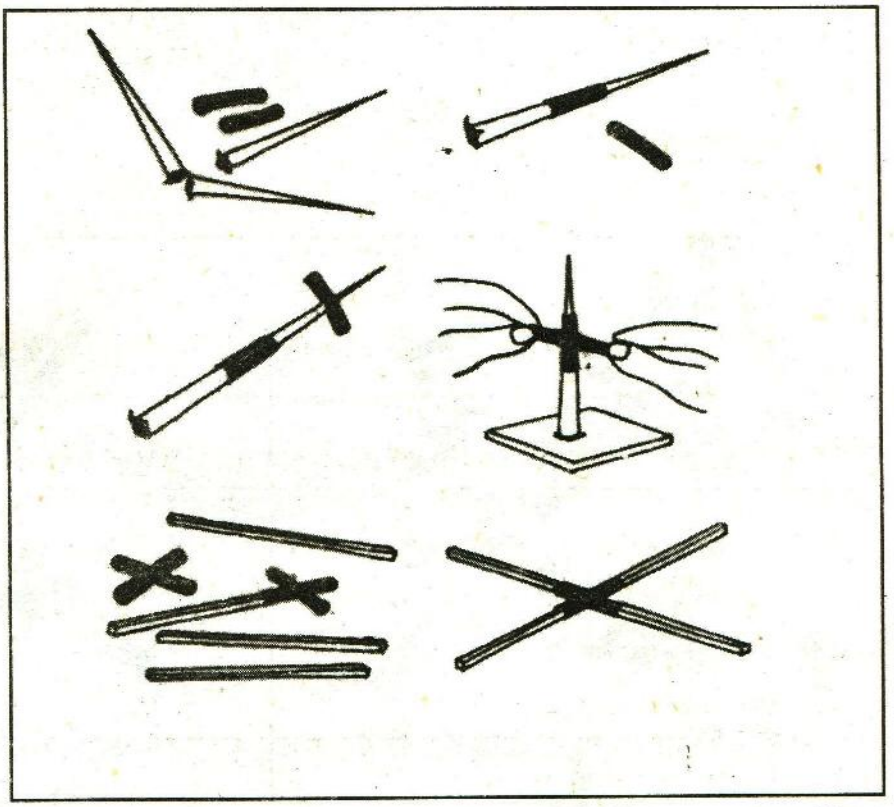

चित्र-6

दोनों वाल्व ट्यूब अब 'x' की आकृति बनाएंगे। इसको कांटे पर से सावधानीपूर्वक उतार लो। इस जोड़ के चारों ओर से एक-एक सींक घुसाओ। अब तुम चित्र-7 जैसी आकृतियां बना सकते हो।

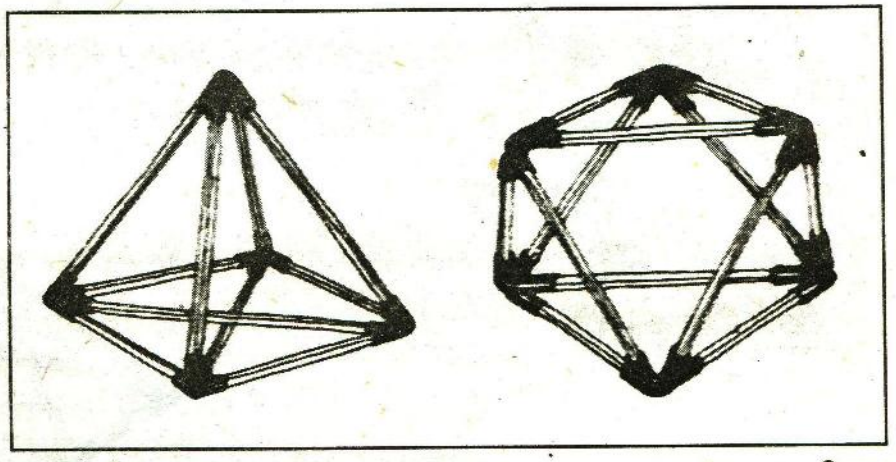

चित्र-7

## बहुत-सी सींकों का जोड़

ऊपर के तरीके से चार सींकों का एक जोड़ बनाओ पर उसे कांटे से उतारो नहीं। एक तीसरे वाल्व ट्यूब को पहले वाल्व ट्यूब के ऊपर चढ़ा दो (चित्र-8)। तीनों वाल्व ट्यूब के टुकड़े अब H की आकृति बनाएंगे।

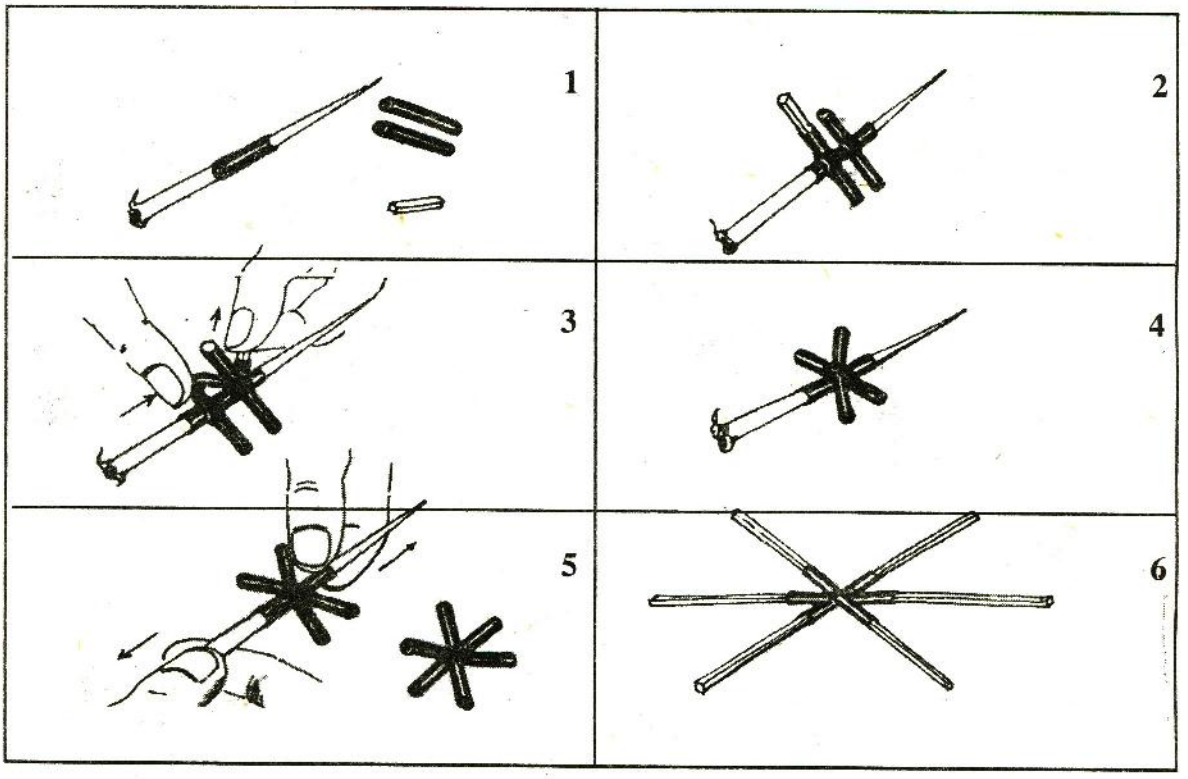


चित्र-8

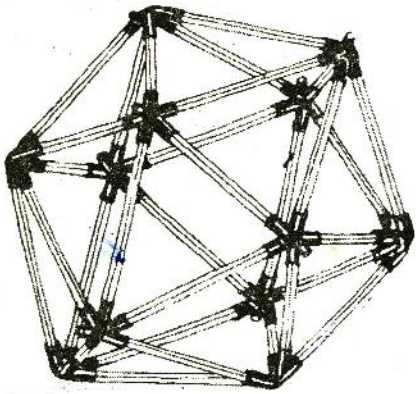

दूसरी ट्यूब के एक सिरे को अब तीसरे ट्यूब के बीच से पिरो दो। इसके लिये माचिस की सींक की मदद ले सकते हो (चित्र-8)। इस जोड़ के सभी सिरों में सिंकें घुसाने से छह का जोड़ बनेगा। तुम चाहो तो सिर्फ 5 सिरों का उपयोग कर सकते हो। चित्र-9 में पांच के जोड़ से बनी कुछ आकृतियां दिखाई गई हैं।

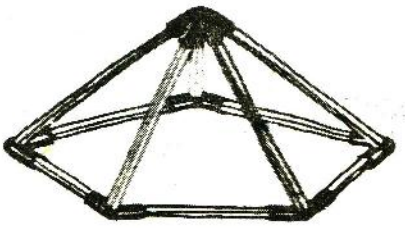

चित्र-9

इसी तरह तुम आठ, दस, बारह सींकों के जोड़ भी बना सकते हो। अभी तक बने ढांचों को अलग-अलग तरह से सजाकर नए किस्म के ढांचे बनाओ।

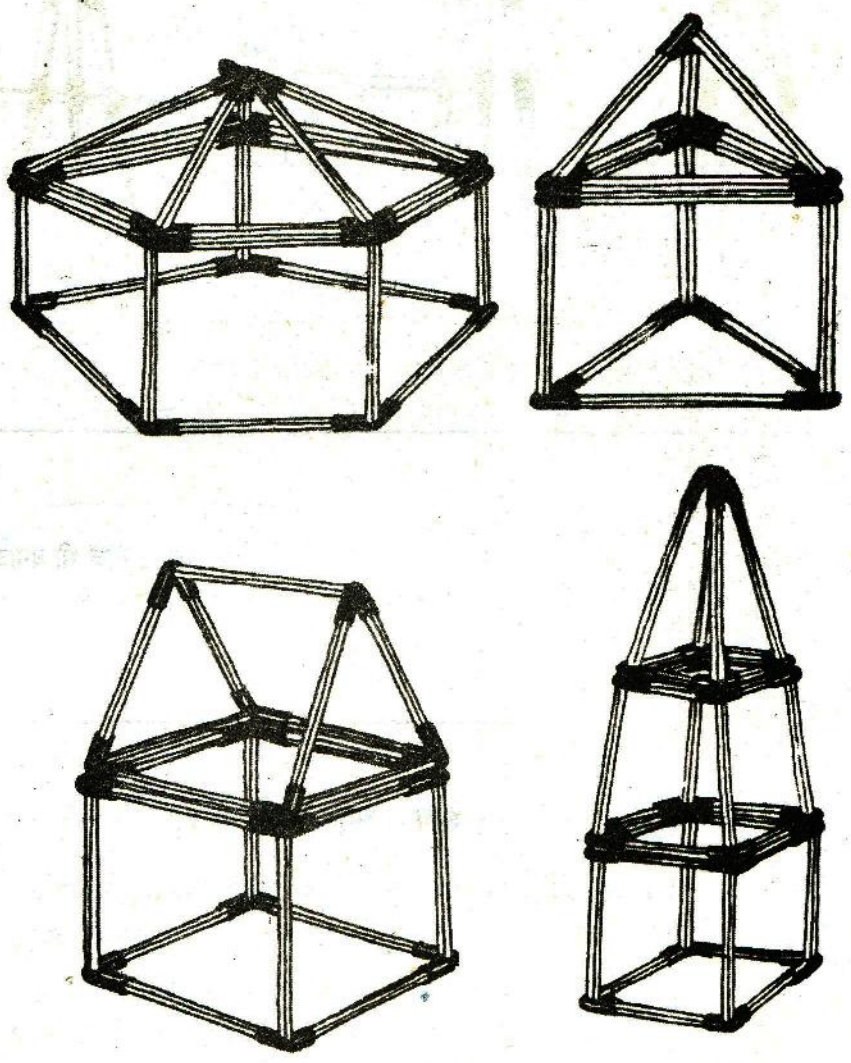

चित्र-10

**अकल लगाओ**

तुम सींकों और वाल्व ट्यूब के टुकड़ों को जोड़कर और बहुत सी मजेदार चीजें व खिलौने बना सकते हो। उदाहरण के लिए चित्र-11 में बबूल के कांटे और वाल्व ट्यूब को जोड़कर डिवाइडर बनाया गया है।

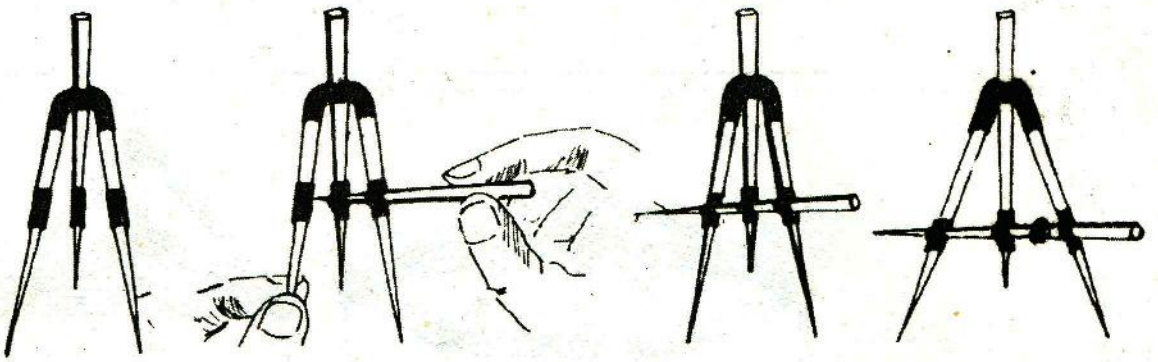

चित्र-11

स्वयं सोचकर खाट, कुर्सी, मेज इत्यादि चीजें भी बनाओ। यदि तुम हिम्मत करो तो सायकल, बैलगाड़ी, हल, आदि चीजें भी बना सकते हो।

**नए शब्द :** चतुष्फलक